



Paridhi raghuvanshi

02 Aug 2022

04:25 AM

Dhar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121113806

लिंग _____: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि _____: 1-02/08/2022
दिन _____: सोम-मंगलवार
जन्म समय _____: 04:25:00 घंटे
इष्ट _____: 56:02:46 घटी
स्थान _____: Dhar
राज्य _____: Madhya Pradesh
देश _____: India

अक्षांश _____: 22:32:00 उत्तर
रेखांश _____: 75:24:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:28:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 03:56:36 घंटे
वेलान्तर _____: -00:06:22 घंटे
साम्पातिक काल _____: 00:38:43 घंटे
सूर्योदय _____: 05:59:53 घंटे
सूर्यास्त _____: 19:09:08 घंटे
दिनमान _____: 13:09:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: वर्षा
सूर्य के अंश _____: 15:30:07 कर्क
लग्न के अंश _____: 23:46:28 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: मिथुन - बुध
राशि-स्वामी _____: कन्या - बुध
नक्षत्र-चरण _____: उ०फाल्गुनी - 2
नक्षत्र स्वामी _____: सूर्य
योग _____: शिव
करण _____: विष्टि
गण _____: मनुष्य
योनि _____: गौ
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: वैश्य
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: श्वान
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: भूमि
जन्म नामाक्षर _____: टो-टोनी
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: सिंह

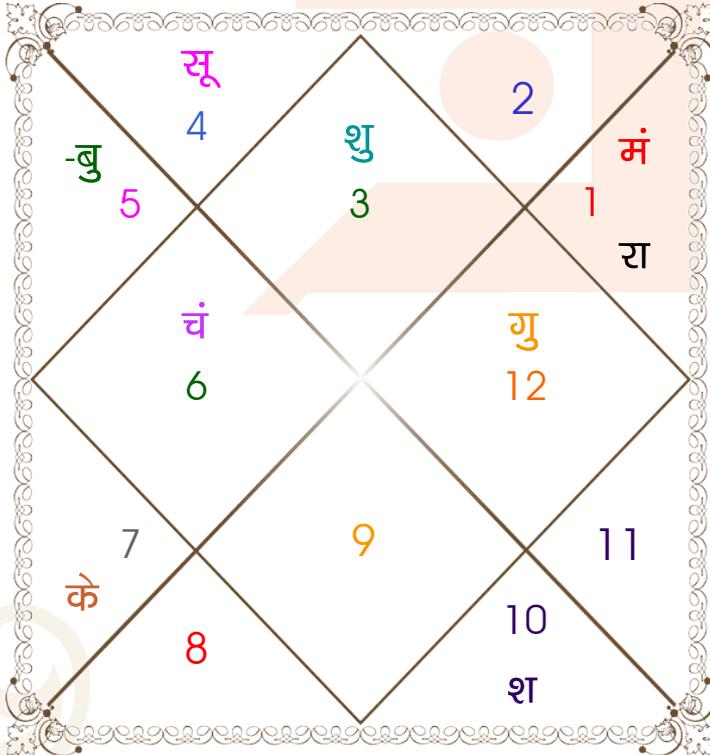
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---------|---|---|-------|----------|-----------|------------|----|-----|-------|-------|-------|------------|
| लग्न | | | मिथु | 23:46:28 | 317:44:50 | पुनर्वसु | 2 | 7 | बुध | गुरु | शनि | --- |
| सूर्य | | | कर्क | 15:30:07 | 00:57:25 | पुष्य | 4 | 8 | चंद्र | शनि | गुरु | मित्र राशि |
| चंद्र | | | कन्या | 03:06:35 | 12:36:25 | उ०फाल्गुनी | 2 | 12 | बुध | सूर्य | शनि | मित्र राशि |
| मंगल | | | मेष | 24:30:53 | 00:38:34 | भरणी | 4 | 2 | मंगल | शुक्र | बुध | स्वराशि |
| बुध | | | सिंह | 01:48:56 | 01:45:06 | मघा | 1 | 10 | सूर्य | केतु | शुक्र | मित्र राशि |
| गुरु | व | | मीन | 14:31:14 | 00:00:49 | उ०भाद्रपद | 4 | 26 | गुरु | शनि | राहु | स्वराशि |
| शुक्र | | | मिथु | 23:51:58 | 01:12:57 | पुनर्वसु | 2 | 7 | बुध | गुरु | शनि | मित्र राशि |
| शनि | व | | मक | 28:40:26 | 00:04:19 | धनिष्ठा | 2 | 23 | शनि | मंगल | शनि | स्वराशि |
| राहु | व | | मेष | 24:21:54 | 00:06:59 | भरणी | 4 | 2 | मंगल | शुक्र | बुध | शत्रु राशि |
| केतु | व | | तुला | 24:21:54 | 00:06:59 | विशाखा | 2 | 16 | शुक्र | गुरु | बुध | सम राशि |
| हर्ष | | | मेष | 24:32:24 | 00:01:07 | भरणी | 4 | 2 | मंगल | शुक्र | बुध | --- |
| नेप | व | | मीन | 00:57:46 | 00:01:02 | पू०भाद्रपद | 4 | 25 | गुरु | गुरु | मंगल | --- |
| प्लूटो | व | | मक | 02:52:53 | 00:01:24 | उत्तराषाढा | 2 | 21 | शनि | सूर्य | गुरु | --- |
| दशम भाव | | | मीन | 16:21:26 | -- | उ०भाद्रपद | -- | 26 | गुरु | शनि | गुरु | -- |

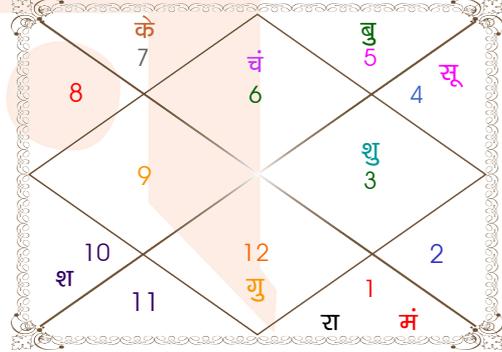
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:10:10

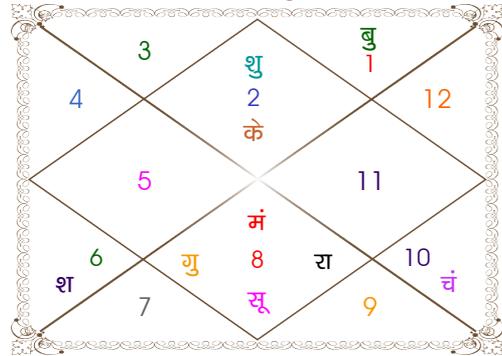
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 1 मास 6 दिन

| सूर्य 6 वर्ष | चंद्र 10 वर्ष | मंगल 7 वर्ष | राहु 18 वर्ष | गुरु 16 वर्ष |
|------------------|------------------|------------------|------------------|------------------|
| 02/08/2022 | 07/09/2025 | 08/09/2035 | 07/09/2042 | 07/09/2060 |
| 07/09/2025 | 08/09/2035 | 07/09/2042 | 07/09/2060 | 07/09/2076 |
| 00/00/0000 | चंद्र 09/07/2026 | मंगल 04/02/2036 | राहु 21/05/2045 | गुरु 26/10/2062 |
| 00/00/0000 | मंगल 07/02/2027 | राहु 21/02/2037 | गुरु 14/10/2047 | शनि 08/05/2065 |
| 00/00/0000 | राहु 08/08/2028 | गुरु 28/01/2038 | शनि 20/08/2050 | बुध 14/08/2067 |
| 00/00/0000 | गुरु 08/12/2029 | शनि 09/03/2039 | बुध 09/03/2053 | केतु 20/07/2068 |
| 02/08/2022 | शनि 09/07/2031 | बुध 05/03/2040 | केतु 27/03/2054 | शुक्र 21/03/2071 |
| शनि 27/06/2023 | बुध 07/12/2032 | केतु 01/08/2040 | शुक्र 27/03/2057 | सूर्य 07/01/2072 |
| बुध 02/05/2024 | केतु 08/07/2033 | शुक्र 02/10/2041 | सूर्य 19/02/2058 | चंद्र 08/05/2073 |
| केतु 07/09/2024 | शुक्र 09/03/2035 | सूर्य 06/02/2042 | चंद्र 20/08/2059 | मंगल 14/04/2074 |
| शुक्र 07/09/2025 | सूर्य 08/09/2035 | चंद्र 07/09/2042 | मंगल 07/09/2060 | राहु 07/09/2076 |

| शनि 19 वर्ष | बुध 17 वर्ष | केतु 7 वर्ष | शुक्र 20 वर्ष | सूर्य 6 वर्ष |
|------------------|------------------|------------------|------------------|------------------|
| 07/09/2076 | 08/09/2095 | 08/09/2112 | 09/09/2119 | 09/09/2139 |
| 08/09/2095 | 08/09/2112 | 09/09/2119 | 09/09/2139 | 00/00/0000 |
| शनि 11/09/2079 | बुध 03/02/2098 | केतु 04/02/2113 | शुक्र 08/01/2123 | सूर्य 27/12/2139 |
| बुध 21/05/2082 | केतु 01/02/2099 | शुक्र 06/04/2114 | सूर्य 08/01/2124 | चंद्र 27/06/2140 |
| केतु 30/06/2083 | शुक्र 02/12/2101 | सूर्य 12/08/2114 | चंद्र 08/09/2125 | मंगल 02/11/2140 |
| शुक्र 29/08/2086 | सूर्य 09/10/2102 | चंद्र 13/03/2115 | मंगल 08/11/2126 | राहु 26/09/2141 |
| सूर्य 11/08/2087 | चंद्र 09/03/2104 | मंगल 09/08/2115 | राहु 08/11/2129 | गुरु 16/07/2142 |
| चंद्र 12/03/2089 | मंगल 07/03/2105 | राहु 27/08/2116 | गुरु 09/07/2132 | शनि 03/08/2142 |
| मंगल 20/04/2090 | राहु 24/09/2107 | गुरु 03/08/2117 | शनि 09/09/2135 | 00/00/0000 |
| राहु 24/02/2093 | गुरु 30/12/2109 | शनि 12/09/2118 | बुध 10/07/2138 | 00/00/0000 |
| गुरु 08/09/2095 | शनि 08/09/2112 | बुध 09/09/2119 | केतु 09/09/2139 | 00/00/0000 |

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशों के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 1 मा 2 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के द्वितीय चरण में हुआ था। आपके जन्म समय मिथुन लग्न के साथ-साथ वृषभ का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। आपके जन्म प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भाग्यशाली महिला हैं। क्योंकि आप आरामदायक एवं प्रसन्नतम जीवन व्यतीत करेंगी। परंतु आप कार्य करने से विमुख हो जाती हैं फिर आप किस प्रकार उपयुक्त कार्य सुनिश्चित कर सकेंगी। अतः आप कार्य के संबंध में पूर्णरूपेण विचार कर उपयुक्त एवं अनुकूल कार्य सुनिश्चित कर लें।

आपकी ढुल-मुल नीति के कारण आप मानसिक रूप से व्यस्त रहती हैं एवं प्रतिक्षण अन्य लुभावने कार्य-व्यवसाय को प्रारंभ करने हेतु व्यग्रता पूर्वक प्रवृत्त हो जाती हैं। इसलिए आप अधीर होकर, तत्काल ही परिणाम प्राप्त करना चाहती हैं। जिस वजह से आप प्रलोभन में पड़ कर अनेकों कार्यों को अपूर्ण छोड़ देती हैं। फलस्वरूप आपके कठिन श्रम से कोई लाभ प्राप्त नहीं हो पाता है। अतः आप भविष्यकाल के लिए निर्णय करके सुदृढता पूर्वक कार्य संपादन करें।

आप में आश्चर्य जनक ग्रहणात्मक शक्ति विद्यमान है। आप दूसरों की बातों को समझने एवं ग्रहण करने में समर्थ हैं। आप किसी भी प्रकार का अंदाज लगाने के बाद भी अपने अनुकूल और विचार पूर्वक कार्य संपादन करती हैं।

आपके पास लोग निर्देशन प्राप्त करने तथा आपकी राय जानने आर्येंगे। सामान्यतया किसी भी वस्तु विषय में आपका निर्णय ले लेना तथा पुनः निर्णय बदल देना यह उपयुक्त है।

आपका अच्छा स्वभाव आपको अपने मित्रों एवं संबंधियों के मध्य प्रसिद्धि प्रदान करता है। आपके संबंधित सभी लोग आपको प्रतिष्ठित करते हैं। अर्थात् प्रतिष्ठा प्रदान करते हैं। अन्य दूसरी बात यह है कि आपकी प्रसिद्धि आपको तेज, कुशग्र बुद्धि का, निष्कपट, विश्वासी एवं दानशील प्रवृत्ति का बनाता है।

आप अपनी उच्च महत्वकांक्षा की प्राप्ति हेतु समर्पित हो कर कोई भी कार्य प्रारंभ करें। आप चांद को स्पर्श करने की अभिलाषा नहीं करती परंतु आप कुछ भी चाहे जो कुछ भी प्राप्त करके ही संतुष्टि एवं प्रसन्नता का अनुभव करना चाहती हैं।

यदि आप एकाग्रता पूर्वक कार्य संपादन करें तो आपके अपने रास्ते से धन की प्राप्ति होगी। आप मुख्यतः अपने जीवन के 25वें वर्ष में अति समृद्ध हो जाएंगे। साथ ही धन का अपव्यय निरर्थक हो जाने से बहुत बड़ी उदासीनता एवं चिंता का कारण भी बनेगा।

आप पारिवारिक सदस्यों के साथ बहुत आरामदेह एवं सुखप्रद जीवन बिताएंगी। आपका शांति प्रदायक अपना भवन होगा तथा बच्चों के साथ अनेक प्रकार से सुविधाजनक एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करेंगी। उत्तम तो यह है कि आप अपने लिए अनुकूल जीवन संगी का चयन कर लें जिसका जन्म लग्न/राशि तुला, कुंभ, सिंह एवं मेष राशि हो।

आप भ्रमण प्रिय हैं। आप अपने मित्र मंडली का विस्तार करेंगी। आपके संपर्क के अनेक मित्रगण विस्तृत रूपेण पूर्ण समर्पित भाव से आपका सहयोग करेंगे।

स्पष्टतया आपके उत्तम स्वास्थ्य की सुनिश्चितता बनी हुई है। परंतु आपको संभाव्य शारीरिक आघात के प्रति रक्षित करना चाहिए। ताकि यक्ष्मा तपेदिक, श्वास नली की विकृति एवं उदर संबंधी विकृति रोग की परेशानी से सुरक्षित रह सकें।

आपके लिए पेशा, वकालत, शैक्षणिक कार्य, पुस्तक प्रकाशन एवं पत्रकारिता के व्यवसाय अनुकूल हैं। आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए लाभदायक, प्रभावी एवं अनुकूल अंक 3 एवं 7 अंक है। इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल अंक है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित हैं परंतु इसे त्यागकर अपने लिए अनुकूल रंग पीला गुलाबी, बैंगनी, हरा एवं नीला रंग के वस्त्रादि का व्यवहार करें। काला एवं लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।